भारत सरकार

रेल मंत्रालय

राज्य सभा

08.08.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2357 का उत्तर

रेल परियोजनाओं की स्थिति

2357. श्री नरहरी अमीन:
श्रीमती धर्मशीला गुप्ता:
डा. अनिल सुखदेवराव बोंडे:
श्री मदन राठौड़:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बिहार, राजस्थान, गुजरात और विशेषकर अमरावती जिले सहित महाराष्ट्र में चल रही विभिन्न रेल परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति क्या है; और

(ख) उपर्युक्त राज्यों में नई रेल परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) और (ख): बिहार, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र राज्यों में रेल परियोजनाओं की स्थिति निम्नानुसार है:

बिहार:

हाल के वर्षों में बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। बिहार राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आवंटन निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	1132 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2025-26	10,066 करोड़ रु. (लगभग 9 गुना)

बिहार राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाले नए रेलपथों की कमीशनिंग/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन किए गए गए रेलपथ	नए रेलपथ की औसत कमीशनिंग
2009-14	318 कि.मी.	63.6 कि.मी.
2014-25	1899 कि.मी.	172.6 कि.मी. (2.5 गुना से अधिक)

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, बिहार राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली 86,107 करोड़ रु. लागत वाली 4,663 कि.मी. लंबाई की 52 परियोजनाएं (31 नई लाइन, 01 आमान परिवर्तन और 20 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं, जिनमें से मार्च 2025 तक 1,014 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और 29,353 करोड़ रु. का व्यय किया गया है। इसका सार निम्नानुसार है :-

कोटि	**स्वीकृत परियोजनाओं की सं.**	**कुल लंबाई नई लाइन/आमान परिवर्तन/दोहरीकरण (कि.मी. में)**	**मार्च, 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)**	**मार्च, 2025 तक कुल व्यय (करोड़ रु. में)**
नई लाइन	31	2691	516	16814
आमान परिवर्तन	1	69	52	544
दोहरीकरण/ मल्टीट्रैकिंग	20	1904	446	11995
कुल	52	4663	1014	29353

हाल ही में बिहा राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली संपन्न की गई कुछ परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	**परियोजना**	**लागत (करोड़ रु में)**
1	मुंगेर पुल (19 कि.मी.)	2774
2	कोसी पुल (22 कि.मी.)	516
3	पटना पुल (40 कि.मी.)	3555
4	हाजीपुर-बछवारा दोहरीकरण (72 कि.मी.)	930
5	किउल-गया दोहरीकरण (123 कि.मी.)	1200
6	कारोटा पटनेर-मनकठा-सतह त्रिभुज (8 कि.मी.)	129
7	रामपुरहाट-मंदारहिल नई लाइन और रामपुरहाट-मुरराय- तीसरी लाइन (160 कि.मी.)	1500
8	जयनगर-दरभंगा-नरकटियागंज और नरकटियागंज-भिखना टोरी आमान परिवर्तन (295 कि.मी.)	1193
9	सकरी-लौकाहा बाजार-निर्माली और सहरसा-फारबिसगंज आमान परिवर्तन (206 कि.मी.)	2113
10	बख्तियारपुर फ्लाईओवर (4 कि.मी.)	402
11	कोसी नदी पर पुल सहित कटारेह-कुर्सेला पट्टी का दोहरीकरण (7 कि.मी.)	222
12	अररिया-गल्गलिया नई लाइन (111 कि.मी.)	4415
13	किउल-तिलैया रेल विद्युतीकरण (87 कि.मी.)	105
14	वाल्मीकिनगर-सुगौली-मुजफ्फरपुर और सुगौली-रक्सौल रेल विद्युतीकरण (240 कि.मी.)	351

उपरोक्त परियोजनाओं में गंगा और कोसी नदियों पर तीन महत्वपूर्ण पुल अर्थात् मुंगेर पुल, पटना पुल और कोसी पुल शामिल हैं। ये लंबे स्पैन वाले मेगा पुल हैं जिनके लिए उच्च स्तरीय विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है इसलिए इन पुलों के निर्माण की डिजाइन और कार्यप्रणाली की जांच के लिए आईआईटी/एनआईटी को शामिल किया गया।

हालांकि इन पुलों को 2014 से पूर्व मंजूरी दी गई थी, लेकिन इन पुलों के निर्माण में पर्याप्त प्रगति 2014 के बाद ही प्राप्ति की जा सकी। बिहार में इन परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने के लिए उचित योजना, कुशल निष्पादन पद्धतियों को अपनाने और पर्याप्त धन की उपलब्धता सुनिश्चित की गई।

इसके अलावा, बिहार में पूर्णत:/अशंत: पड़ने वाली शुरू की गई मुख्य परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार हैं:

क्र. सं.	**परियोजना**	**लागत (करोड़ रु में)**
1	सीतामढ़ी-शिवहर नई लाइन (28 कि.मी.)	567
2	सकरी-हसनपुर नई लाइन (76 कि.मी.)	735
3	खगड़िया-कुशेश्वरस्थान नई लाइन (42 कि.मी.)	1511
4	नेऊरा - दनियावां - बिहारशरीफ - बारबिघा - शेखपुरा नई लाइन (166 कि.मी.)	2200
5	कोडरमा-तिलैया नई लाइन (65 कि.मी.)	1626
6	हाजीपुर-सगौली नई लाइन (151 कि.मी.)	2087
7	अररिया-सुपौल नई लाइन (96 कि.मी.)	1605
8	गंगा नदी पर पुल सहित विक्रमशिला-कटारिया नई लाइन (26 कि.मी.)	2090
9	हंसडीह-गोड्डा नई लाइन (30 कि.मी.) को छोड़कर पीरपैंती-जसीडीह नई लाइन (97 कि.मी.)	2140
10	सोनगर - पतरातू मल्टीट्रैक (291 कि.मी.)	5148
11	समस्तीपुर - दरभंगा दोहरीकरण (38 कि.मी.)	624
12	रामपुर डुमरा - ताल - राजेन्द्र पुल - अतिरिक्त पुल और दोहरीकरण (14 कि.मी.)	1677
13	सगौली-वाल्मिकीनगर दोहरीकरण (110 कि.मी.)	1280
14	मुजफ्फरपुर-सगौली दोहरीकरण (101 कि.मी.)	1465
15	बरौनी-बछवाड़ा तीसरी और चौथी लाइन (32 कि.मी.)	124

बिहार राज्य में रेल अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल के पूर्व मध्य रेलवे, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे, पूर्व रेलवे और पूर्वोत्तर रेलवे जोनों के अंतर्गत आती हैं। रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया जाता है।

पिछले तीन वर्षों (अर्थात 2022-2023, 2023-24, 2024-25) और चालू वित्त वर्ष (अर्थात 2025-26) के दौरान, बिहार राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले कुल 77 सर्वेक्षण (13 नई लाइन, 64 दोहरीकरण) स्वीकृत किए गए हैं, जिनकी कुल लंबाई 3,991 कि.मी. है। शुरु किए गए कुछ महत्वपूर्ण सर्वेक्षण इस प्रकार हैं:

क्रम सं	**परियोजना**	**लंबाई (कि.मी.)**
1	दीन दयाल उपाध्याय-कियूल तीसरी और चौथी लाइन	390
2	छपरा-कटिहार तीसरी और चौथी लाइन	450

3	भागलपुर-जमालपुर तीसरी लाइन	53
4	नवादा-पावापुरी नई लाइन	33
5	बिहटा - औरंगाबाद नई लाइन	120
6	गया-रफीगंज-डॉल्टनगंज नई लाइन	137
7	बख्तियारपुर-तिलैया दोहरीकरण	104
8	रामपुरहाट-दुमका-भागलपुर दोहरीकरण	177
9	लहेरियासराय-जमालपुर-सहरसा नई लाइन	96
10	मुजफ्फरपुर-दरभंगा नई लाइन	96
11	दरभंगा-सकरी दोहरीकरण	21
12	मानसी-सहरसा दोहरीकरण	45

राजस्थान:

हाल के वर्षों में बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। राजस्थान राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	682 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2025-26	9,960 करोड़ रु. (लगभग 15 गुना)

वर्ष 2009-14 और 2014-25 के दौरान राजस्थान राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाले नए रेलपथों की कमीशनिंग/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन किए गए गए रेलपथ	नए रेलपथ की औसत कमीशनिंग
2009-14	798 कि.मी.	159.60 कि.मी. प्रति वर्ष
2014-25	3,815 कि.मी.	346.82 कि.मी. प्रति वर्ष (2 गुना से अधिक)

दिनांक 01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, उदयपुर, सलूंबर और प्रतापगढ़ जिलों सहित राजस्थान राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 43,918 करोड़ रुपए की लागत वाली कुल 3,409 कि.मी. लंबाई की 28 रेल परियोजनाएँ (13 नई लाइन, 05 आमान परिवर्तन और 10 दोहरीकरण) योजना और कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से मार्च 2025 तक 1,238 कि.मी. लंबाई को कमीशन किया जा चुका है और 18,955 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है। इन कार्यों की स्थिति का सार निम्नानुसार है:-

योजना शीर्ष	**परियोजनाओं की संख्या**	**कुल लंबाई (कि.मी. में)**	**कमीशन की लंबाई (कि.मी. में)**	**मार्च 2024 तक किया गया व्यय (करोड़ रू. में)**
नई लाइन	13	981	196	5769
आमान परिवर्तन	5	1252	788	6829

दोहरीकरण/ मल्टीट्रैकिंग	10	1176	254	6357
कुल	**28**	**3,409**	**1,238**	**18,955**

हाल ही में राजस्थान राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली संपन्न की गई कुछ परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्रम सं	**परियोजना का नाम**	**नवीनतम लागत (करोड़ रुपए में)**
1.	बंगुरग्राम-रास नई लाइन (28 कि.मी.)	175
2.	थईयात हमीरा-सोनू नई लाइन (58 कि.मी.)	350
3.	सूरतपुरा-श्रीगंगानगर आमान परिवर्तन (241 कि.मी.)	896
4.	सादलपुर-बीकानेर एवं रतनगढ़-डेगाना आमान परिवर्तन (438 कि.मी.)	886
5.	जयपुर-रींगस-सीकर-चूरू एवं सीकर-लोहारू आमान परिवर्तन(320 कि.मी.)	1105
6.	भगत की कोठी-लूनी दोहरीकरण (28 कि.मी.)	128
7.	रानी-केशवगंज दोहरीकरण (59 कि.मी.)	290
8.	गुड़िया-मारवाड़ और करजोदा-पालनपुर दोहरीकरण (49 कि.मी.)	251
9.	रानी-मारवाड़ दोहरीकरण (52 कि.मी.)	346
10.	आबू रोड-स्वरूप गंज दोहरीकरण (26 कि.मी.)	195
11.	आबू रोड-सरोतरा रोड दोहरीकरण (23 कि.मी.)	152
12.	अलवर-बांदीकुई दोहरीकरण (60 कि.मी.)	450
13.	अजमेर-बंगुरग्राम दोहरीकरण (48 कि.मी.)	375
14.	बांगड़ग्राम-गुड़िया पैच दोहरीकरण (47 कि.मी.)	395
15.	डेगाना-राय का बाग दोहरीकरण (146 कि.मी.)	809
16.	बीना-कोटा दोहरीकरण (282 कि.मी.)	2476
17.	नीमच-चित्तौड़गढ़ दोहरीकरण (56 कि.मी.)	560
18.	दौसा-गंगापुर सिटी दोहरीकरण (93 कि.मी.)	950
19.	फुलेरा-डेगाना दोहरीकरण (108 कि.मी.)	702
20.	चूरू-रतनगढ़ दोहरीकरण (43 कि.मी.)	423

राजस्थान राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली शुरु की गयी कुछ मुख्य परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्रम सं	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रू में)
1.	पुष्कर-मेड़ता नई लाइन (51 कि.मी.)	800
2.	तरंगा हिल-आबू रोड नई लाइन (116 कि.मी.)	2798
3.	रामगंजमंडी-भोपाल नई लाइन (277 कि.मी.)	5073
4.	नीमच-बड़ी सादड़ी नई लाइन (48 कि.मी.)	495
5.	रींगस-खाटू श्याम जी नई लाइन (17 कि.मी.)	254
6.	मेड़ता सिटी-रास नई लाइन और मेड़ता रोड स्टेशन पर बाई पास (56 कि.मी.)	947
7.	कोटा तक विस्तार के साथ ग्वालियर-श्योपुरकलां आमान परिवर्तन (284 कि.मी.)	2913
8.	गंगापुर सिटी तक विस्तार के साथ धौलपुर-सिरमुथरा आमान परिवर्तन (145 कि.मी.)	747
9.	मावली-देवगढ़ मदारिया गेज परिवर्तन (83 कि.मी.)	969
10	मथुरा-झांसी तीसरी लाइन (274 कि.मी.)	5924
11	आगरा किला-बांदीकुई दोहरीकरण (150 कि.मी.)	988
12	सवाईमाधोपुर-जयपुर दोहरीकरण (131 कि.मी.)	1204
13	चूरू-सादुलपुर एवं लूनी-भीलड़ी दोहरीकरण (330 कि.मी.)	3554
14	अजमेर-चंदेरिया दोहरीकरण (178 कि.मी.)	1635
15	सवाईमाधोपुर में बाई पास लाइन (14 कि.मी.)	304
16	रेवाडी-खाटूवास दोहरीकरण (28 कि.मी.)	352
17.	खाटूवास-नारनौल दोहरीकरण (24 कि.मी.)	313
18.	मारवाड़ में बाई पास लाइन (4 कि.मी.)	71

राजस्थान राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली रेल अवसंरचना परियोजनाएँ भारतीय रेल के उत्तर पश्चिम रेलवे, उत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे जोनों के अंतर्गत आती हैं। रेल परियोजनाओं का लागत, व्यय और परिव्यय सहित क्षेत्रीय रेल-वार विवरण भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया जाता है।

पिछले तीन वर्षों (2022-23, 2023-24, 2024-25) और चालू वित्त वर्ष (2025-26) के दौरान राजस्थान राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुल 5,497 कि.मी. लंबाई की कुल 55 परियोजनाओं (23 नई लाइन और 32 दोहरीकरण) के सर्वेक्षण को मंजूरी दी गई है।

कनेक्टिविटी में सुधार लाने के लिए राजस्थान राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले कुछ महत्वपूर्ण स्वीकृत सर्वेक्षण निम्नानुसार हैं:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लंबाई (कि.मी. में)
1.	अनूपगढ़-बीकानेर नई लाइन और रोझड़ी से खाजूवाला तक स्पर लाइन	185
2.	जैसलमेर-भाभर/भीलड़ी नई लाइन	380
3.	खाजूवाला-जैसलमेर नई लाइन	260
4.	रींगस-लोहारू दोहरीकरण	172

गुजरात

हाल के वर्षों में बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। गुजरात राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना संबंधी परियोजनाओं एवं संरक्षा कार्यों हेतु बजट आबंटन निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	589 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2025-26	17,155 करोड़ रु. (29 गुना से अधिक)

वर्ष 2009-14 और 2014-25 के दौरान गुजरात राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथ को कमीशन करने/बिछाने का विवरण निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	660 कि.मी.	132 कि.मी. प्रति वर्ष
2014-25	2764 कि.मी.	251 कि.मी. प्रति वर्ष (लगभग 2 गुना)

दिनांक 01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, गुजरात राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 30,275 करोड़ रुपए की लागत वाली कुल 2564 किलोमीटर लंबाई की 36 परियोजनाओं (06 नई लाइन, 17 आमान परिवर्तन और 13 दोहरीकरण) को स्वीकृतकिया गया है, जिनमें से 863 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च 2025 तक 12,865 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है। विवरण निम्नानुसार है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2025 तक कुल व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	6	532	105	5494
आमान परिवर्तन	17	1379	718	6213
दोहरीकरण/ मल्टीट्रैकिंग	13	653	40	1158
कुल	**36**	**2564**	**863**	**12865**

गुजरात राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले हाल ही में पूरे किए गए कुछ परियोजना कार्यों का विवरण निम्नानुसार हैः-

क्र.सं.	परियोजना के नाम	नवीनतम लागत (करोड़ रू. में)
1.	भीलडी-विरमगाम आमान परिवर्तन (156 कि.मी)	312
2.	केवडिया तक विस्तार के साथ दाभोई-चंदोद आमान परिवर्तन (50 किलोमीटर)	1018
3.	अहमदाबाद-बोटाड आमान परिवर्तन (170 कि.मी)	1810
4.	ढासा-जेतलसर आमान परिवर्तन (104 कि.मी)	1024
5.	अहमदाबाद-मेहसाणा आमान परिवर्तन (69 कि.मी)	874
6.	काटोसन रोड-चानसामा आमान परिवर्तन (38 कि.मी)	484
7.	कलोल-कादी-काटोसन आमान परिवर्तन (37 कि.मी)	347
8.	वीरमग्राम-सुरेंद्रनगर दोहरीकरण (65 कि.मी)	382
9.	उधना-जलगांव दोहरीकरण (307 किलोमीटर)	2448
10.	गुरिया-मारवाड़ और करजोदा-पालनपुर दोहरीकरण (49 कि.मी)	251
11.	आबू रोड से सरोत्रा रोड दोहरीकरण (24 कि.मी)	152
12.	सरोत्रा रोड - करजोदा दोहरीकरण (24 कि.मी)	220
13.	विरमगाम-समख्याली दोहरीकरण (182 कि.मी)	1492
14.	पालनपुर-समख्याली दोहरीकरण (247 किलोमीटर)	2538
15.	मेहसाणा-पालनपुर दोहरीकरण (65 कि.मी)	537
16.	सुरेंद्रनगर-राजकोट दोहरीकरण (116 कि.मी)	1425
17.	आनंद-गोधरा दोहरीकरण (79 कि.मी)	692
18.	स्वचालित सिगनल प्रणाली के साथ वटवा-अहमदाबाद तीसरी लाइन (8 कि.मी)	61

गुजरात राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ मुख्य परियोजनाएं, जो शुरू की गई हैं, का विवरण निम्नानुसार हैं:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1.	नलिया-जखाउ पोर्ट नई लाइन (25 किमी)	410
2.	मियागाम-कर्जन-चोरंदा-मालसर आमान परिवर्तन (37 किमी)	450

3.	जंबुसर-कावि आमान परिवर्तन (26 किमी)	318
4.	कोसंबा-उमरपाड़ा आमान परिवर्तन (70 किमी)	468
5.	खिजड़िया-अमरेली आमान परिवर्तन (17 किमी)	178
6.	गांधीधाम (जीआईएम) - आदिपुर (एआई) चौहरीकरण (11 किमी)	152
7.	बरेजदी-नांदेज (गेरातपुर)- साणंद चौथी लाइन (38 किमी)	962
8.	सामाखियाली और गांधीधाम चौहरीकरण (53 किमी)	1430
9.	विश्वामित्री-दाभोई सहित विश्वामित्री दोहरीकरण पर 'वाई' कनेक्शन (33 किमी)	394
10.	लूनी-समदड़ी-भीलड़ी दोहरीकरण (272 किमी)	3086
11	साबरमती डी केबिन-सरखेज दोहरीकरण (21 किमी)	323

पश्चिमी समर्पित माल गलियारा (डीएफसी) गुजरात से भी होकर गुजरता है। पश्चिमी डीएफसी का लगभग 565 किलोमीटर मार्ग कि.मी. गुजरात में स्थित है, जो पश्चिमी डीएफसी की कुल मार्ग लंबाई का लगभग 37% है। गुजरात राज्य में पड़ने वाली पूरी परियोजना का निर्माण कार्य कमीशन किया गया है।

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) परियोजना (508 किलोमीटर) को जापान सरकार की तकनीकी और वित्तीय सहायता से निष्पादित किया जा रहा है। गुजरात में फ्लैगशिप हाई स्पीड बुलेट ट्रेन परियोजना का निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है। अब, 100% भूमि अधिग्रहण कार्य पूरा किया जा चुका है। गुजरात राज्य में पड़ने वाली इस परियोजना के 352 किलोमीटर (नींव कार्य और खंभों) खंड के लिए वायाडक्ट का निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है। इसके साथ ही, 329 किलोमीटर गर्डर कास्टिंग और 309 किलोमीटर गर्डर लॉन्चिंग का कार्य भी पूरा किया जा चुका है।

गुजरात राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली रेल अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल के पश्चिम रेलवे और उत्तर पश्चिम रेलवे ज़ोनों के अंतर्गत आती हैं। रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार विवरण भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध कराया जाता है।

पिछले 3 वर्षों (2022-23, 2023-24, 2024-25) और चालू वित्त वर्ष के दौरान, गुजरात राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले कुल 6,321 किलोमीटर लंबाई के 58 सर्वेक्षण कार्यों को स्वीकृत किया गया है। कुछ महत्वपूर्ण सर्वेक्षण कार्य निम्नानुसार हैं:

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**लंबाई (कि.मी. में)**
1	रतलाम-वडोदरा तीसरी और चौथी लाइन	259
2	विरमगाम-कनालूस चौहरीकरण	293
3	कनालूस-ओखा दोहरीकरण	141

महाराष्ट्र:

हाल के वर्षों में बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आवंटन निम्नानुसार है:-

महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आवंटन निम्नानुसार हैं:

अवधि	परिव्यय
2009-14	1,171 करोड़ रुपए/वर्ष
2025-26	23,778 करोड़ रुपए (20 गुना से अधिक)

वर्ष 2009-14 और वर्ष 2014-2024 के दौरान महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले खंडों (नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण) की कमीशनिंग निम्नानुसार हैं:

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमिशनिंग
2009-14	292 कि.मी.	58.4 कि.मी./वर्ष
2014-25	2,292 कि.मी.	208.36 कि.मी./वर्ष (3 गुना से अधिक)

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली 89,780 करोड़ रुपए की लागत की कुल 5,098 किलोमीटर लंबाई वाली 38 रेल परियोजनाएं (11 नई लाइन, 02 आमान परिवर्तन और 25 दोहरीकरण) स्वीकृत हैं, जिनमें से 2,360 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2025 तक 39,407 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है। संक्षेप स्थिति निम्नानुसार है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	नई लाइन/आमान परिवर्तन/दोहरीकरण की कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2025 तक कुल व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	11	1,355	234	10,504
आमान परिवर्तन	2	609	334	4,286
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	25	3,314	1,792	24,617
कुल	**38**	**5,098**	**2,360**	**39,407**

महाराष्ट्र में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली तथा हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (रुपए करोड़ में)
1	जबलपुर-गोंदिया आमान परिवर्तन (300 किलोमीटर)	2005
2	छिंदवाड़ा-नागपुर आमान परिवर्तन (150 किलोमीटर)	1512
3	पनवेल-पेन दोहरीकरण (35 किलोमीटर)	263
4	पनवेल-रोहा दोहरीकरण (75 किलोमीटर)	31
5	पेन-रोहा दोहरीकरण (40 किलोमीटर)	330

6	उधना-जलगांव दोहरीकरण (307 किलोमीटर)	2448
7	मुदखेड-परभणी दोहरीकरण (81 किलोमीटर)	673
8	भुसावल-जलगांव के बीच तीसरी लाइन (24 किलोमीटर)	325
9	जलगांव-भुसावल के बीच चौथी लाइन (24 किलोमीटर)	261
10	दौंड-गुलबर्गा दोहरीकरण (225 किलोमीटर)	3182

रेलवे ने 3,285 करोड़ रुपए की लागत वाली भुसावल-खंडवा तीसरी और चौथी लाइन (131 किलोमीटर) परियोजना शुरू की है और महाराष्ट्र के अमरावती जिले में पूर्णतः/आंशिक रूप से पड़ने वाले मुर्तिजापुर-अचलपुर आमान परिवर्तन (77 किलोमीटर) कार्य के लिए सर्वेक्षण शुरू कर दिया गया है।

महाराष्ट्र में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ मुख्य परियोजनाएं जो शुरू की गई हैं, वे इस प्रकार हैं:

क्र .सं.	**परियोजना का नाम**	**लागत (रुपए करोड़ में)**
1.	अहमदनगर-बीड-परली वैजनाथ नई लाइन (261 किलोमीटर)	4,957
2.	बारामती-लोनंद नई लाइन (64 किलोमीटर)	1,844
3.	वर्धा-नांदेड़ नई लाइन (284 किलोमीटर)	3,445
4.	धुले (बोरविहीर) - नरडाणा नई लाइन (51किलोमीटर)	1,171
5.	मनमाड-इंदौर नई लाइन (309 किलोमीटर)	16,321
6.	वडसा-गढ़चिरौली नई लाइन (52 किलोमीटर)	1,886
7	जालना और जलगांव नई लाइन (174 किलोमीटर)	5,804
8	पुणे-मिरज-लोंडा दोहरीकरण (466 किलोमीटर)	6,463
9	दौंड मनमाड दोहरीकरण (236 किलोमीटर)	30,376
10	मुदखेड-मेडचल और महबूबनगर-डोन खंड दोहरीकरण (417 किलोमीटर)	4,686
11	होटगी-कुडगि-गदग दोहरीकरण (284 किलोमीटर)	2,459
12	कल्याण-कसारा - तीसरी लाइन (68 किलोमीटर)	1,433
13	वर्धा-नागपुर तीसरी लाइन (76 किलोमीटर)	698
14	वर्धा-बल्हारशाह तीसरी लाइन (132 किलोमीटर)	1,385
15	इटारसी-नागपुर तीसरी लाइन (280 किलोमीटर)	2,450
16.	मनमाड जलगाँव तीसरी लाइन (160 किलोमीटर)	1,677
17.	काजीपेट-बल्हारशाह - तीसरी लाइन (202 किलोमीटर)	3,183

18.	राजनांदगांव-नागपुर तीसरी लाइन (228 किलोमीटर)	3,545
19.	वर्धा-नागपुर चौथी लाइन (79 किलोमीटर)	1,137
20.	जलगांव-मनमाड चौथी लाइन (160 किलोमीटर)	2,574

इन मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं से लाइन क्षमता में वृद्धि होगी, अतिरिक्त यात्री और माल यातायात उपलब्ध होगा, माल और सेवाओं की तीव्र आवाजाही संभव होगी, परिचालन संबंधी अवरोध कम होंगे, लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार होगा, क्षेत्र के लोगों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, परिचालनिक अवरोध कम होंगे, पर्यटन उद्योग का विकास होगा और क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियां बढ़ेंगी।

इसके अलावा, महाराष्ट्र में फ्लैग्शिप हाई स्पीड बुलेट ट्रेन परियोजना के निर्माण कार्य में तेजी आई है। अब 100% भूमि अधिग्रहण कार्य पूरा हो गया है। पुलों, एक्वाडक्ट आदि के निर्माण कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

पश्चिमी समर्पित माल गलियारा महाराष्ट्र से भी होकर गुज़रता है। पश्चिमी समर्पित माल गलियारा का लगभग 178 मार्ग कि.मी. महाराष्ट्र में है, जो पश्चिमी समर्पित माल गलियारे का मार्ग की कुल लंबाई का लगभग 12% है। महाराष्ट्र में न्यू घोलवड़ से न्यू वैतरना तक इस परियोजना के 76 कि.मी. को पहले ही कमीशन कर दिया गया है। शेष कार्यों को शुरू कर दिया गया है। पश्चिम समर्पित माल गलियारा को जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट से जोड़ने से बंदरगाह से दिल्ली एनसीआर तक कार्गो और कंटेनर यातायात संभालने की क्षमता में संवर्धन होगा।

महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली रेल अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल के मध्य रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, दक्षिण पश्चिम रेलवे और पश्चिम रेलवे जोनों के अंतर्गत कवर की जाती है। रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार विवरण भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया है।

पिछले तीन वर्ष अर्थात वित्त वर्ष 2022-23, 2023-24, 2024-25 और वर्तमान वित्त वर्ष के दौरान, महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली लगभग 47,126 करोड़ रुपए की लागत की 1991 कि.मी. कुल लंबाई की 27 मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं।

*****